CUET-UG Hindi Sample Paper-5

Duration: 1 Hour **Maximum Marks: 250**

Instructions

- This paper contains a total of 50 Multiple Choice Questions.
- Each correct answer carries **+5 marks**.
- Each incorrect answer carries **-1 mark**.
- No negative marking for unattempted questions.

गद्यांश 1: तथ्यात्मक गद्यांश

गद्यांश 1: "कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) वर्तमान समय की सबसे क्रांतिकारी तकनीक मानी जा रही है, जो मानव जीवन के हर क्षेत्र को गहराई से प्रभावित कर रही है। भारत में राष्ट्रीय एआई पोर्टल और 'एआई फॉर ऑल' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से इसे जन–जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, एआई एल्गोरिदम जटिल बीमारियों का पहले से पता लगाने में डॉक्टरों की सहायता कर रहे हैं, जिससे उपचार की सटीकता बढ़ी है। कृषि में, यह मिट्टी की गुणवत्ता और मौसम के मिजाज का विश्लेषण कर किसानों को फसल चयन में मदद कर रहा है। हालाँकि, इसके साथ ही डेटा गोपनीयता, नैतिक चिंताएँ और रोजगार के बदलते स्वरूप जैसी चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं। स्वचालन (Automation) के कारण कई पारंपरिक नौकरियों पर संकट मंडरा रहा है, जिसके लिए कार्यबल को पुन: कौशल (Re-skilling) प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। वैश्विक स्तर पर भारत अपनी विशाल डेटा उपलब्धता के कारण एआई विकास का एक प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता रखता है। सरकार ने इसके लिए जिम्मेदार एआई (Responsible AI) के सिद्धांत को अपनाया है ताकि तकनीक का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके।"

Q1. गद्यांश के अनुसार, एआई के विकास में भारत की सबसे बड़ी शक्ति क्या है?

(A) तकनीक

(B) विशाल डेटा उपलब्धता

(C) कुशल डॉक्टर

(D) केवल सरकारी पोर्टल

Q2. स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआई का मुख्य लाभ क्या बताया गया है?

(A) मुफ्त इलाज

(B) मशीनी ऑपरेशन

(C) बीमारियों का पूर्वानुमान और सटीकता

(D) जनसंख्या नियंत्रण

Q3. 'पुन: कौशल' (Re-skilling) की आवश्यकता क्यों पड़ी है?

(A) मनोरंजन के लिए

(B) स्वचालन से उत्पन्न रोजगार संकट के कारण

(C) जनसंख्या वृद्धि के कारण

(D) इंटरनेट की कमी के कारण

Q4. एआई के साथ जुड़ी प्रमुख चिंताएँ कौन सी हैं?

(A) बिजली की खपत

(B) डेटा गोपनीयता और नैतिक मुद्दे

(C) मोबाइल की कमी

(D) केवल कृषि संकट

Q5. 'स्वचालन' शब्द का अर्थ है:

(A) स्वयं चलना

(B) मशीनों द्वारा स्वतः कार्य

(C) मानव श्रम

(D) धीमा कार्य

Q6. 'क्रांतिकारी' शब्द में कौन सा प्रत्यय प्रयुक्त है?

(A) कारी

(B) ई

(C) री

(D) आरि

गद्यांश 2: वृत्तांत गद्यांश

गद्यांश 2:
"हिमालय की उन दुर्गम चोटियों के बीच बसे एक छोटे से गाँव की वह यात्रा मेरे जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्मृतियों में से एक है। रात भर बर्फीले तूफ़ान ने हमारे तंबू को हिलाकर रख दिया था। सुबह जब आँख खुली, तो खिड़की के बाहर का दृश्य अलौकिक था। चारों ओर चाँदी जैसी चमकती बर्फ की चादर बिछी थी और सूर्य की पहली किरणें उन चोटियों को स्वर्णिम आभा से नहला रही थीं। हमारे गाइड, शेरपा तेनजिंग ने बताया कि आगे का रास्ता और भी संकरा है, जहाँ ऑक्सीजन की कमी महसूस हो सकती है। जैसे–जैसे हम ऊपर बढ़ रहे थे, पेड़ों का नामोनिशान मिटता जा रहा था और केवल नग्न चट्टानें शेष थीं। थकान और ठंड से शरीर टूट रहा था, लेकिन एवरेस्ट के उस शिखर को करीब से देखने की जिजीविषा (जीने की इच्छा) हमें आगे धकेल रही थी। दोपहर होते–होते हम उस मुकाम पर पहुँचे जहाँ से घाटी का दृश्य किसी काल्पनिक लोक जैसा प्रतीत होता था। वह पल केवल शारीरिक विजय का नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर के भय पर जीत हासिल करने का था।"

Q7. लेखक को सुबह खिड़की के बाहर कैसा दृश्य दिखाई दिया?

(A) डरावना

(B) अलौकिक और स्वर्णिम

(C) काला और अंधकारमय

(D) केवल पेड़ों का

Q8. 'जिजीविषा' शब्द का गद्यांश के संदर्भ में क्या अर्थ है?

(A) मौत का डर

(B) आगे बढ़ने की इच्छा

(C) विश्राम की चाह

(D) पहाड़ पर चढ़ना

Q9. ऊंचाई पर बढ़ने के साथ–साथ प्रकृति में क्या परिवर्तन आया?

(A) हरियाली बढ़ गई

(B) ऑक्सीजन बढ़ गई

(C) पेड़ों का नामोनिशान मिट गया

(D) गर्मी बढ़ गई

Q10. लेखक के अनुसार यह यात्रा किस पर विजय का प्रतीक थी?

(A) शत्रुओं पर

(B) पहाड़ पर

(C) स्वयं के भीतर के भय पर

(D) गाइड पर

Q11. 'दुर्गम' शब्द का सही अर्थ क्या है?

(A) जहाँ जाना सरल हो

(B) जहाँ जाना कठिन हो

(C) जो बहुत सुंदर हो

(D) जो बहुत दूर हो

Q12. 'स्वर्णिम' का संधि–विच्छेद होगा:

(A) स्वर्ण + इम

(B) स्वर्णि + म

(C) स्वर्ण + ईम

(D) स्व + र्णिम

गद्यांश 3: साहित्यिक गद्यांश

गद्यांश 3: "प्रेमचंद के साहित्य में जिस 'होरी' और 'धनिया' का चित्रण मिलता है, वे केवल पात्र नहीं बल्कि भारतीय कृषक समाज की शाश्वत पीड़ा के प्रतीक हैं। गोदान केवल एक उपन्यास नहीं, बल्कि सामंती व्यवस्था और महाजनी सभ्यता के बीच पिसते हुए आम आदमी का महाकाव्य है। प्रेमचंद ने आदर्शोन्मुख यथार्थवाद (Idealistic Realism) की नींव रखी, जहाँ वे समाज की बुराइयों का चित्रण तो करते हैं, लेकिन अंत में एक नैतिक संदेश भी देते हैं। उनके साहित्य की भाषा अत्यंत सरल और मुहावरेदार है, जो सीधे पाठकों के हृदय को स्पर्श करती है। उन्होंने उर्दू से हिन्दी में आने के बाद भाषा को एक नया कलेवर प्रदान किया। उनके समकालीन जयशंकर प्रसाद जहाँ अतीत के गौरव में खोए रहते थे, वहीं प्रेमचंद वर्तमान की धूल और धूप में खड़े होकर सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार कर रहे थे। स्त्री शिक्षा, विधवा विवाह और दलित चेतना जैसे विषय उनके लेखन के केंद्र में रहे, जो उस समय के समाज के लिए अत्यंत क्रांतिकारी कदम थे।"

Q13. 'गोदान' को किसका महाकाव्य कहा गया है?

(A) अमीरों का

(B) पिसते हुए आम आदमी का

(C) राजनीतिज्ञों का

(D) केवल लेखकों का

Q14. प्रेमचंद की लेखन शैली को क्या नाम दिया गया है?

(A) केवल यथार्थवाद

(B) आदर्शोन्मुख यथार्थवाद

(C) छायावाद

(D) रहस्यवाद

Q15. जयशंकर प्रसाद और प्रेमचंद के लेखन में मुख्य अंतर क्या था?

(A) भाषा का

(B) प्रसाद अतीत के गौरव में थे, प्रेमचंद वर्तमान की विसंगतियों में

(C) कोई अंतर नहीं था

(D) दोनों केवल उर्दू में लिखते थे

Q16. प्रेमचंद के लेखन के केंद्र में कौन से विषय थे?

(A) राजा–रानी की कहानियाँ

(B) स्त्री शिक्षा और दलित चेतना

(C) परियों की कथाएँ

(D) अंतरिक्ष विज्ञान

Q17. 'सामंती' शब्द किस मूल शब्द से बना है?

(A) साम

(B) सामंत

(C) समंत

(D) मंती

Q18. 'अतीत' का विलोम शब्द होगा:

(A) भविष्य

(B) वर्तमान

(C) पुरातन

(D) आगत

शब्द भंडार (Synonyms & Antonyms)

Q19. 'अमृत' का पर्यायवाची शब्द नहीं है:

(A) सुधा

(B) पीयूष

(C) सोम

(D) गरल

Q20. 'अरण्य' का पर्यायवाची क्या है?

(A) उपवन

(B) कानन

(C) पावक

(D) वारि

Q21. 'शाश्वत' का सही विलोम शब्द चुनिए:

(A) क्षणिक

(B) सनातन

(C) चिरंतन

(D) अजर

Q22. 'स्थावर' का विलोम है:

(A) चंचल

(B) चेतन

(C) जंगम

(D) जड़

Q23. 'पंकज' किसका पर्यायवाची है?

(A) बादल

(B) समुद्र

(C) कमल

(D) आकाश

Q24. 'तिमिर' का विलोम शब्द है:

(A) आलोक

(B) अंधकार

(C) रात्रि

(D) छाया

Q25. 'आकाश' का पर्यायवाची शब्द है:

(A) व्योम

(B) सरोज

(C) चक्षु

(D) अनल

Q26. 'मूक' का विलोम शब्द है:

(A) अल्पभाषी

(B) वाचाल

(C) मृदुभाषी

(D) अभाषी

Q27. 'आभूषण' का पर्यायवाची नहीं है:

(A) अलंकार

(B) भूषण

(C) विभूषण

(D) अंबर

Q28. 'आस्तिक' का विलोम है:

(A) सात्विक

(B) नास्तिक

(C) धार्मिक

(D) रूढ़िवादी

Q29. 'तरणि' और 'तरणी' शब्द युग्म का सही अर्थ है:

(A) सूर्य–नाव

(B) नाव–सूर्य

(C) युवती–नदी

(D) किरण–स्त्री

Q30. 'अनल' किसका पर्यायवाची है?

(A) वायु

(B) अग्नि

(C) जल

(D) पर्वत

मौखिक योग्यता (Rearranging)

Q31. P: के लिए | Q: स्वास्थ्य |R: व्यायाम | S: आवश्यक है

(A) RQPS

(B) RPQS

(C) QRPS

(D) PRQS

Q32. P: हमारा देश | Q: है | R: महान | S: भारत

(A) SPQR

(B) PQRS

(C) PSRQ

(D) SQRP

Q33. P: परिश्रम ही | Q: कुंजी है |R: सफलता की | S: जीवन में

(A) PSRQ

(B) SPQR

(C) PQRS

(D) SQRP

Q34. P: होता है | Q: का फल | R: मीठा |S: धैर्य

(A) SQRP

(B) QSRP

(C) PQRS

(D) RSPQ

Q35. P: राष्ट्र का |Q: युवा शक्ति |R: आधार है |S: किसी भी

(A) SQPR

(B) PQRS

(C) QSPR

(D) SPRQ

Q36. P: अनुशासन | Q: बनाता है |R: मनुष्य को |S: महान

(A) PRSQ

(B) SQRP

(C) PQRS

(D) RSPQ

भशब्द प्रयोग (Correct Word)

Q37. खाली स्थान भरें: गांधी जी ने _____ का मार्ग अपनाया।

(A) अहिंसा

(B) हिंसा

(C) कुटिलता

(D) स्वार्थ

Q38. राम ने रावण का _____ किया।

(A) वध

(B) हत्या

(C) मृत्यु

(D) निधन

Q39. उसकी बातों में बहुत _____ है।

(A) गंभीरता

(B) गंभीर

(C) गंभीरपन

(D) गंभीरत

Q40. शुद्ध वर्तनी का चयन करें:

(A) उज्जवल

(B) उज्ज्वल

(C) उज्वल

(D) उजवल

Q41. 'जो सब कुछ जानता हो' के लिए एक शब्द:

(A) अल्पज्ञ

(B) सर्वज्ञ

(C) अज्ञ

(D) बहुज्ञ

Q42. शुद्ध वाक्य चुनें:

(A) मैं मेरा काम करता हूँ।

(B) मैं अपना काम करता हूँ।

(C) मैंने मेरा काम किया।

(D) मुझसे मेरा काम होता है।

व्याकरणिक मिलान (Match the Following)

Q43. संधि का मिलान करें:

(1) हिमालय	(i) वृद्धि
(2) सदैव	(ii) दीर्घ
(3) प्रत्युपकार	(iii) गुण
(4) देवेंद्र	(iv) यण

Q44. समास का मिलान करें:

(1) यथाशक्ति	(i) द्वंद्व
(2) माता–पिता	(ii) बहुव्रीहि
(3) लंबोदर	(iii) अव्ययीभाव
(4) चौराहा	(iv) द्विगु

Q45. लेखक और रचना का मिलान करें:

(1) प्रेमचंद	(i) कामायनी
(2) जयशंकर प्रसाद	(ii) गोदान
(3) तुलसीदास	(iii) साकेत
(4) मैथिलीशरण गुप्त	(iv) रामचरितमानस

विविध (Idioms & Proverbs))

Q46. 'अंधे की लाठी' का अर्थ है:

(A) एकमात्र सहारा

(B) लकड़ी

(C) अंधा व्यक्ति

(D) बहुत कमजोर

Q47. 'आस्तीन का साँप' होना:

(A) पालतू साँप

(B) धोखेबाज मित्र

(C) विषैला

(D) शत्रु

Q48. 'गागर में सागर भरना':

(A) कम शब्दों में बहुत कहना

(B) मटका भरना

(C) असंभव कार्य करना

(D) समुद्र सुखाना

Q49. 'लोहे के चने चबाना' का अर्थ है:

(A) लोहे का सेवन

(B) कठिन संघर्ष करना

(C) भूखा रहना

(D) शक्तिशाली बनना

Q50. 'अधजल गगरी छलकत जाए' का अर्थ है:

(A) पानी गिरना

(B) ओछा व्यक्ति दिखावा अधिक करता है

(C) घड़ा आधा भरा होना

(D) बहुत अधिक ज्ञान होना

Detailed Solutions

Q1.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न गद्यांश 1 के तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। गद्यांश में भारत की भौगोलिक और जनसांख्यिकीय स्थिति के आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के क्षेत्र में उसकी क्षमता का आकलन किया गया है।

समाधान: 1. गद्यांश का अवलोकन: गद्यांश में स्पष्ट रूप से भारत की शक्तियों का वर्णन किया गया है। 2. मुख्य पंक्ति: गद्यांश की अंतिम पंक्तियों में उल्लेख है – "वैश्विक स्तर पर भारत अपनी विशाल डेटा उपलब्धता के कारण एआई विकास का एक प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता रखता है।" 3. तर्क: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए बहुत बड़े डेटासेट की आवश्यकता होती है। भारत की विशाल जनसंख्या और डिजिटल पैठ के कारण यहाँ प्रचुर मात्रा में डेटा उपलब्ध है, जो इसे वैश्विक शक्ति बनाता है। 4. विकल्प चयन: अतः विकल्प (B) 'विशाल डेटा उपलब्धता' गद्यांश के अनुसार सबसे सटीक उत्तर है।

अंतिम उत्तर: विशाल डेटा उपलब्धता

Answer: (B)

Q2.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के विशिष्ट अनुप्रयोगों की पहचान करने पर केंद्रित है। गद्यांश में एआई के उन लाभों का वर्णन है जो डॉक्टरों की कार्यक्षमता और उपचार की गुणवत्ता बढ़ाते हैं।

समाधान: 1. गद्यांश का संदर्भ: स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के प्रभाव को गद्यांश के मध्य भाग में समझाया गया है। 2. प्रयुक्त शब्दावली: गद्यांश में कहा गया है – "एआई एल्गोरिदम जटिल बीमारियों का पहले से पता लगाने में डॉक्टरों की सहायता कर रहे हैं, जिससे उपचार की सटीकता बढ़ी है।" 3. विश्लेषण: 'पहले से पता लगाना' अर्थात बीमारियों का पूर्वानुमान (Prediction) और 'सटीकता' (Accuracy) ही एआई के प्रमुख लाभ हैं। 4. विकल्पों का मूल्यांकन: अन्य विकल्प जैसे मुफ्त इलाज या मशीनी ऑपरेशन गद्यांश में मुख्य लाभ के रूप में वर्णित नहीं हैं।

अंतिम उत्तर: बीमारियों का पूर्वानुमान और सटीकता

Answer: (C)

Q3.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'स्वचालन' (Automation) और 'पुन: कौशल' (Re-skilling) के बीच के कारण–प्रभाव संबंध को समझने पर आधारित है। जब तकनीक कार्यस्थल की प्रकृति बदलती है, तो मानव कार्यबल को नए कौशल सीखने की आवश्यकता होती है।

समाधान: 1. गद्यांश का विश्लेषण: गद्यांश में आधुनिक तकनीक के सामाजिक–आर्थिक प्रभावों की चर्चा है। 2. समस्या की पहचान: गद्यांश के अनुसार, "स्वचालन के कारण कई पारंपरिक नौकरियों पर संकट मंडरा रहा है।" 3. समाधान: इस रोजगार संकट से निपटने के लिए ही "कार्यबल को पुनः कौशल (Re-skilling) प्रदान करना अनिवार्य हो गया है।" 4. निष्कर्ष: अतः पुन: कौशल की आवश्यकता का सीधा संबंध मशीनों द्वारा स्वतः कार्य (Automation) से होने वाले रोजगार के नुकसान से है।

अंतिम उत्तर: स्वचालन से उत्पन्न रोजगार संकट के कारण

Answer: (B)

Q4.

Solution

संकल्पना: किसी भी क्रांतिकारी तकनीक के साथ लाभों के अलावा कुछ गंभीर नैतिक और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ जुड़ी होती हैं। यह प्रश्न एआई के उन नकारात्मक पहलुओं की पहचान करता है जिनका उल्लेख गद्यांश में किया गया है।

समाधान: 1. गद्यांश का सूक्ष्म अध्ययन: गद्यांश के उत्तरार्ध में एआई की चुनौतियों का उल्लेख है। 2. रेखांकित चुनौतियाँ: "हालाँकि, इसके साथ ही डेटा गोपनीयता (Data Privacy), नैतिक चिंताएँ (Ethical Concerns) और रोजगार के बदलते स्वरूप जैसी चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं।" 3. विस्तृत अर्थ: डेटा गोपनीयता का अर्थ है व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, और नैतिक मुद्दे तकनीक के दुरुपयोग या पक्षपातपूर्ण व्यवहार से जुड़े हैं। 4. विकल्प चयन: विकल्प (B) गद्यांश में वर्णित इन चिंताओं को पूर्णतः समाहित करता है।

अंतिम उत्तर: डेटा गोपनीयता और नैतिक मुद्दे

Answer: (B)

Q5.

Solution

संकल्पना: यह शब्दार्थ पर आधारित प्रश्न है। 'स्वचालन' (Automation) शब्द 'स्व' (स्वयं) और 'चालन' (चलाना) से मिलकर बना है, जो तकनीकी क्षेत्र में मशीनों के स्वचालित संचालन को दर्शाता है।

समाधान: 1. शाब्दिक विच्छेद: स्व + चालन = स्वयं चलना या स्वतः क्रियाशील होना। 2. तकनीकी संदर्भ: उद्योग और तकनीक के क्षेत्र में जब कोई कार्य मानवीय हस्तक्षेप के बिना मशीनों या सॉफ्टवेयर द्वारा किया जाता है, तो उसे स्वचालन कहते हैं। 3. गद्यांश के अनुसार: गद्यांश में इसे नौकरियों के विस्थापन से जोड़कर देखा गया है, जहाँ मशीनों ने इंसानों का स्थान ले लिया है। 4. विकल्प मिलान: विकल्प (B) 'मशीनों द्वारा स्वतः कार्य' इसका सबसे उपयुक्त अर्थ है।

अंतिम उत्तर: मशीनों द्वारा स्वतः कार्य

Answer: (B)

Q6.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न हिंदी व्याकरण के 'प्रत्यय' (Suffix) विषय पर आधारित है। प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं और उनके अर्थ में विशेषता लाते हैं। 'क्रांतिकारी' शब्द का निर्माण एक मूल शब्द और एक प्रत्यय के संयोग से हुआ है।

समाधान: 1. शब्द विच्छेद: जब हम 'क्रांतिकारी' शब्द को तोड़ते हैं, तो हमें मूल शब्द 'क्रांति' प्राप्त होता है। 2. प्रत्यय की पहचान: मूल शब्द 'क्रांति' के साथ 'कारी' शब्दांश जुड़ा हुआ है। 3. व्याकरणिक अर्थ: 'कारी' प्रत्यय संस्कृत के 'कृ' धातु से प्रभावित है, जिसका अर्थ होता है 'करने वाला' या 'प्रभाव उत्पन्न करने वाला'। 4. विकल्प विश्लेषण: विकल्प (B), (C) और (D) शब्द के सार्थक खंड नहीं हैं। केवल विकल्प (A) 'कारी' ही वह प्रत्यय है जो 'क्रांति' को एक विशेषण/संज्ञा का रूप देता है जिसका अर्थ है – क्रांति करने वाला।

अंतिम उत्तर: कारी

Answer: (A)

Q7.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न गद्यांश 2 के वर्णनात्मक अंश पर आधारित है। गद्यांश में लेखक ने अपनी सुबह की अनुभूति और हिमालय की चोटियों पर सूर्योदय के प्रभाव का सजीव चित्रण किया है।

समाधान: 1. गद्यांश का संदर्भ: लेखक बताता है कि रात के बर्फीले तूफान के बाद जब सुबह हुई, तो उन्होंने खिड़की के बाहर देखा। 2. शब्द चयन: गद्यांश में सीधे तौर पर 'अलौकिक' शब्द का प्रयोग किया गया है – "खिड़की के बाहर का दृश्य अलौकिक था।" 3. रंग और आभा: आगे वर्णन है कि बर्फ की चादर 'चाँदी जैसी' चमक रही थी और सूर्य की किरणें चोटियों को 'स्वर्णिम आभा' (Golden glow) दे रही थीं। 4. मिलान: अतः विकल्प (B) 'अलौकिक और स्वर्णिम' गद्यांश में प्रयुक्त विशेषणों के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

अंतिम उत्तर: अलौकिक और स्वर्णिम

Answer: (B)

Q8.

Solution

संकल्पना: 'जिजीविषा' शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति की विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानने और अपने अस्तित्व को बनाए रखने की अदम्य इच्छा के लिए किया जाता है। यह शब्द 'जीव' धातु से बना है जिसका मूल अर्थ जीने की इच्छा है।

समाधान: 1. शाब्दिक अर्थ: जिजीविषा = जीने की तीव्र इच्छा। 2. गद्यांश का संदर्भ: यात्रा के दौरान थकान और ठंड से शरीर टूट रहा था, लेकिन लेखक के मन में शिखर तक पहुँचने और उस अनुभव को जीने का प्रबल उत्साह था। 3. भावार्थ: यहाँ जिजीविषा केवल साँस लेने के अर्थ में नहीं, बल्कि प्रतिकूलता के विरुद्ध 'आगे बढ़ने की इच्छा' और लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के रूप में प्रयुक्त हुई है। 4. तर्क: विकल्प (B) गद्यांश के उस संघर्षपूर्ण वातावरण में लेखक की मानसिक स्थिति को सबसे सटीक रूप से परिभाषित करता है।

अंतिम उत्तर: आगे बढ़ने की इच्छा

Answer: (B)

Q9.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न ऊँचाई के साथ बदलते प्राकृतिक परिवेश और पारिस्थितिकी तंत्र पर आधारित है। पर्वतारोहण के दौरान जैसे–जैसे ऊँचाई बढ़ती है, वनस्पति और वायुमंडलीय स्थितियों में बदलाव आता है।

समाधान: 1. गद्यांश का अवलोकन: लेखक ने चढ़ाई के दौरान प्रकृति में होने वाले क्रमिक बदलावों का वर्णन किया है। 2. साक्ष्य: गद्यांश की विशिष्ट पंक्ति है – "जैसे–जैसे हम ऊपर बढ़ रहे थे, पेड़ों का नामोनिशान मिटता जा रहा था और केवल नग्न चट्टानें शेष थीं।" 3. वैज्ञानिक कारण: अत्यधिक ऊँचाई पर ऑक्सीजन की कमी और निम्न तापमान के कारण बड़े वृक्षों का उगना असंभव हो जाता है। 4. विकल्प पुष्टि: विकल्प (C) गद्यांश में दिए गए इस विवरण की पुष्टि करता है कि ऊँचाई पर हरियाली समाप्त हो गई थी।

अंतिम उत्तर: पेड़ों का नामोनिशान मिट गया

Answer: (C)

Q10.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न यात्रा के आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक पक्ष पर केंद्रित है। लेखक के अनुसार, साहसिक यात्राएँ केवल भौगोलिक दूरियों को नापने के लिए नहीं होतीं, बल्कि वे आत्म–बोध का साधन भी होती हैं।

समाधान: 1. निष्कर्ष की पहचान: गद्यांश के अंतिम वाक्य में लेखक अपनी यात्रा का निचोड़ प्रस्तुत करता है। 2. विशिष्ट कथन: लेखक लिखता है – "वह पल केवल शारीरिक विजय का नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर के भय पर जीत हासिल करने का था।" 3. विश्लेषण: पहाड़ पर चढ़ना एक शारीरिक उपलब्धि तो है ही, परंतु ऊँचाई, ठंड और अनिश्चितता के डर को जीतना एक आंतरिक विजय है। 4. निष्कर्ष: अतः गद्यांश के अनुसार, लेखक के लिए यह यात्रा 'स्वयं के भीतर के भय' को परास्त करने का प्रतीक थी।

अंतिम उत्तर: स्वयं के भीतर के भय पर

Answer: (C)

Q11.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शब्दार्थ पर आधारित है। 'दुर्गम' शब्द दो शब्दों के मेल से बना है: 'दुर्' (कठिन/बुरा) और 'गम' (जाना)। यह विशेषण उन स्थानों के लिए प्रयुक्त होता है जहाँ पहुँचना सामान्य परिस्थितियों में चुनौतीपूर्ण होता है।

समाधान: 1. व्याकरणिक विच्छेद: 'दुर्' उपसर्ग का अर्थ है 'कठिनाई' और 'गम' धातु का अर्थ है 'गमन' या 'जाना'। 2. गद्यांश का संदर्भ: हिमालय की चोटियों और संकरे रास्तों का वर्णन करते हुए लेखक ने 'दुर्गम' शब्द का प्रयोग किया है, जो उन रास्तों की जटिलता को दर्शाता है। 3. विपरीतार्थक शब्द: इसका विलोम 'सुगम' होता है, जिसका अर्थ है जहाँ जाना सरल हो। 4. विकल्प चयन: अतः 'दुर्गम' का सही और सटीक अर्थ 'जहाँ जाना कठिन हो' है। विकल्प (B) इसकी सही व्याख्या करता है।

अंतिम उत्तर: जहाँ जाना कठिन हो

Answer: (B)

Q12.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'तद्धित प्रत्यय' और शब्द संरचना पर आधारित है। किसी संज्ञा शब्द में जब विशेषण बनाने के लिए प्रत्यय जोड़ा जाता है, तो मूल शब्द और प्रत्यय के स्वर आपस में मिलकर संधि युक्त रूप लेते हैं।

समाधान: 1. मूल शब्द की पहचान: 'स्वर्णिम' का आधार शब्द 'स्वर्ण' (Gold) है। 2. प्रत्यय का विश्लेषण: जब हम 'स्वर्ण' में 'इम' प्रत्यय जोड़ते हैं, तो 'ण' स्वर रहित होकर आगामी स्वर 'इ' को ग्रहण कर लेता है। 3. वर्तनी शुद्धि: 'स्वर्ण + इम' मिलकर 'स्वर्णिम' बनता है, जिसका अर्थ होता है 'सोने जैसा' या 'सुनहरा'। 4. विकल्प परीक्षण: विकल्प (C) में 'ईम' (बड़ी ई) है जो गलत है, और विकल्प (A) 'स्वर्ण + इम' व्याकरणिक रूप से पूर्णतः शुद्ध है।

अंतिम उत्तर: स्वर्ण + इम

Answer: (A)

Q13.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न गद्यांश 3 के साहित्यिक विश्लेषण पर आधारित है। 'गोदान' मुंशी प्रेमचंद का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण उपन्यास माना जाता है, जो तत्कालीन भारतीय समाज के यथार्थ को दर्शाता है।

समाधान: 1. गद्यांश का संदर्भ: गद्यांश में उल्लेख है कि 'गोदान' सामंती व्यवस्था और महाजनी सभ्यता के बीच पिसते हुए पात्रों की कहानी है। 2. पात्रों का प्रतिनिधित्व: होरी और धनिया जैसे पात्र किसी विशिष्ट व्यक्ति के नहीं, बल्कि पूरे भारतीय कृषक और 'आम आदमी' के प्रतिनिधि हैं। 3. प्रयुक्त शब्दावली: गद्यांश में स्पष्ट कहा गया है – "गोदान केवल एक उपन्यास नहीं, बल्कि... आम आदमी का महाकाव्य है।" 4. निष्कर्ष: यह समाज के उस वर्ग की व्यथा है जो ऋण और शोषण के चक्र में फँसा है, अतः यह 'पिसते हुए आम आदमी' का महाकाव्य है।

अंतिम उत्तर: पिसते हुए आम आदमी का

Answer: (B)

Q14.

Solution

संकल्पना: साहित्यिक आलोचना में प्रत्येक लेखक की एक विशिष्ट दृष्टि होती है। प्रेमचंद की लेखन शैली 'यथार्थ' (जो जैसा है) और 'आदर्श' (जो होना चाहिए) के अद्भुत मिश्रण के लिए जानी जाती है।

समाधान: 1. शैली का नामकरण: प्रेमचंद ने हिंदी साहित्य में जिस नई पद्धति का विकास किया, उसे 'आदर्शोन्मुख यथार्थवाद' (Idealistic Realism) कहा जाता है। 2. गद्यांश के अनुसार: "प्रेमचंद ने आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की नींव रखी, जहाँ वे समाज की बुराइयों का चित्रण तो करते हैं, लेकिन अंत में एक नैतिक संदेश भी देते हैं।" 3. अर्थ: इसमें लेखक समस्याओं का नग्न चित्रण (यथार्थ) करने के बाद पाठक को एक सकारात्मक या नैतिक समाधान (आदर्श) की ओर ले जाता है। 4. विकल्प मिलान: विकल्प (B) गद्यांश में दी गई शब्दावली के साथ मेल खाता है।

अंतिम उत्तर: आदर्शोन्मुख यथार्थवाद

Answer: (B)

Q15.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न दो समकालीन साहित्यकारों—जयशंकर प्रसाद और प्रेमचंद—की विचारधाराओं और विषयों के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। दोनों ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया लेकिन उनके दृष्टिकोण भिन्न थे।

समाधान: 1. जयशंकर प्रसाद का दृष्टिकोण: गद्यांश के अनुसार, प्रसाद जी मुख्यतः 'अतीत के गौरव' (इतिहास, दर्शन, पौराणिक कथाएँ) में खोए रहते थे। 2. प्रेमचंद का दृष्टिकोण: इसके विपरीत, प्रेमचंद 'वर्तमान की धूल और धूप' अर्थात् समकालीन सामाजिक विसंगतियों और समस्याओं पर प्रहार कर रहे थे। 3. तुलना: जहाँ एक ओर प्रसाद के यहाँ छायावादी सूक्ष्मता और ऐतिहासिक भव्यता थी, वहीं प्रेमचंद के यहाँ ग्रामीण यथार्थ और सामाजिक क्रांति थी। 4. निष्कर्ष: विकल्प (B) दोनों के लेखन के मूल अंतर को सही ढंग से स्पष्ट करता है।

अंतिम उत्तर: प्रसाद अतीत के गौरव में थे, प्रेमचंद वर्तमान की विसंगतियों में

Answer: (B)

Q16.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न लेखक के लेखन के मुख्य विषयों और उनकी सामाजिक प्रति–बद्धता पर आधारित है। प्रेमचंद के साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज सुधार और दबे–कुचले वर्ग की आवाज उठाना था।

समाधान: 1. गद्यांश का विश्लेषण: गद्यांश के अंतिम हिस्से में प्रेमचंद द्वारा उठाए गए सामाजिक मुद्दों का उल्लेख है। 2. प्रमुख विषय: गद्यांश में स्पष्ट रूप से 'स्त्री शिक्षा', 'विधवा विवाह' और 'दलित चेतना' को उनके लेखन के केंद्र में बताया गया है। 3. ऐतिहासिक संदर्भ: उस दौर के भारतीय समाज में ये विषय अत्यंत संवेदनशील और क्रांतिकारी माने जाते थे। प्रेमचंद ने अपनी कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से इन कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। 4. विकल्प पुष्टि: विकल्प (B) गद्यांश में वर्णित इन सभी विषयों को समाहित करता है।

अंतिम उत्तर: स्त्री शिक्षा और दलित चेतना

Answer: (B)

Q17.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शब्द संरचना और 'तद्धित प्रत्यय' के ज्ञान पर आधारित है। 'सामंती' शब्द समाजशास्त्र और इतिहास के संदर्भ में एक विशेष व्यवस्था को दर्शाता है, जिसका निर्माण एक मूल संज्ञा शब्द से हुआ है।

समाधान: 1. मूल शब्द की खोज: 'सामंती' शब्द का मूल आधार 'सामंत' (Feudal lord) है। 2. प्रत्यय का विश्लेषण: जब 'सामंत' शब्द में 'ई' प्रत्यय जोड़ा जाता है, तो वह विशेषण के रूप में 'सामंती' (Feudal) बन जाता है। 3. अर्थ बोध: सामंत का अर्थ है वह व्यक्ति जिसके पास बड़ी भूमि हो, और सामंती का अर्थ है उस व्यवस्था या व्यक्ति से संबंधित। 4. विकल्प परीक्षण: विकल्प (B) 'सामंत' ही वह शुद्ध मूल शब्द है जिससे इस शब्द की व्युत्पत्ति हुई है। अन्य विकल्प जैसे 'साम' या 'समंत' अर्थहीन या अप्रासंगिक हैं।

अंतिम उत्तर: सामंत

Answer: (B)

Q18.

Solution

संकल्पना: विलोम शब्द का अर्थ है किसी शब्द का विपरीत अर्थ देने वाला शब्द। 'अतीत' शब्द समय के उस भाग को दर्शाता है जो बीत चुका है (Past)। अतः इसका विलोम समय के उस भाग को दर्शाना चाहिए जो अभी चल रहा है या आने वाला है।

समाधान: 1. शब्द का अर्थ: 'अतीत' का अर्थ है – भूतकाल या जो समय व्यतीत हो चुका है। 2. विपरीत अर्थ की खोज: बीते हुए समय का सीधा उल्टा 'वर्तमान' (Present) होता है, जो अभी घटित हो रहा है। 3. अन्य विकल्प: 'भविष्य' का विलोम भी 'अतीत' हो सकता है, लेकिन हिंदी व्याकरण में 'अतीत' का सबसे सटीक और प्रचलित विलोम 'वर्तमान' माना जाता है। 'आगत' का अर्थ आने वाला होता है, जो यहाँ सटीक नहीं है। 4. निष्कर्ष: साहित्यिक संदर्भों में 'अतीत बनाम वर्तमान' का द्वंद्व बहुचर्चित है, जैसा कि गद्यांश में भी प्रयुक्त हुआ है।

अंतिम उत्तर: वर्तमान

Answer: (B)

Q19.

Solution

संकल्पना: पर्यायवाची शब्द वे होते हैं जो समान अर्थ प्रकट करते हैं। 'अमृत' (Nectar) जीवन देने वाला पदार्थ माना जाता है, जबकि इसका विपरीत 'विष' (Poison) होता है। प्रश्न में 'नहीं है' पर ध्यान देना अनिवार्य है।

समाधान: 1. अमृत के पर्याय: सुधा, पीयूष, सोम, अमिय – ये सभी 'अमृत' के प्रसिद्ध पर्यायवाची शब्द हैं। 2. नकारात्मक चयन: हमें वह शब्द ढूँढना है जो अमृत का अर्थ नहीं देता। 3. 'गरल' का अर्थ: 'गरल' शब्द का अर्थ 'विष' या 'जहर' होता है। यह अमृत का विलोम है, पर्यायवाची नहीं। 4. निष्कर्ष: विकल्प (A), (B), और (C) अमृत के ही नाम हैं, जबकि विकल्प (D) गरल इसका शत्रु शब्द है।

अंतिम उत्तर: गरल

Answer: (D)

Q20.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शब्द सामर्थ्य और पर्यायवाची शब्दों के ज्ञान पर आधारित है। 'अरण्य' एक तत्सम शब्द है जिसका प्रयोग घने जंगल या कानन के लिए किया जाता है।

समाधान: 1. अरण्य का अर्थ: अरण्य का तात्पर्य उस विस्तृत भू–भाग से है जहाँ पेड़ों की अधिकता हो, जिसे सामान्य भाषा में 'जंगल' कहा जाता है। 2. विकल्प विश्लेषण: – 'उपवन' का अर्थ होता है छोटा बगीचा या वाटिका। – 'पावक' का अर्थ होता है अग्नि। – 'वारि' का अर्थ होता है जल। – 'कानन' का अर्थ होता है जंगल या अरण्य। 3. मिलान: 'कानन', 'विपिन', 'कांतार' और 'वन' ये सभी 'अरण्य' के समानार्थी हैं। 4. सही विकल्प: अतः विकल्प (B) 'कानन' सबसे सटीक पर्यायवाची है।

अंतिम उत्तर: कानन

Answer: (B)

Q21.

Solution

संकल्पना: विलोम शब्द का अर्थ है किसी शब्द का पूर्णतः विपरीत अर्थ प्रकट करना। 'शाश्वत' एक तत्सम विशेषण है, जो उस वस्तु या सत्य के लिए प्रयुक्त होता है जो सदैव रहने वाला हो, जिसका कभी अंत न हो।

समाधान: 1. शब्द का अर्थ: 'शाश्वत' का अर्थ है – अमर, नित्य, या सदा रहने वाला (Eternal)। 2. विपरीत अर्थ की खोज: जो सदा रहने वाला है, उसका विलोम वह होगा जो बहुत कम समय के लिए रहे। 3. विकल्प विश्लेषण: – 'सनातन' और 'चिरंतन' इसके पर्यायवाची शब्द हैं। – 'अजर' का अर्थ है जो कभी बूढ़ा न हो। – 'क्षणिक' का अर्थ है जो केवल एक 'क्षण' (moment) के लिए हो, यानी नाशवान। 4. निष्कर्ष: समय की निरंतरता के आधार पर 'शाश्वत' का सबसे उपयुक्त विलोम 'क्षणिक' (Momentary) है।

अंतिम उत्तर: क्षणिक

Answer: (A)

Q22.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न विलोम शब्दों के शास्त्रीय युग्म पर आधारित है। 'स्थावर' का अर्थ है जो एक ही स्थान पर टिका रहे (Static), जो चल न सके।

समाधान: 1. शाब्दिक अर्थ: 'स्थावर' शब्द 'स्थान' से संबंधित है, जैसे पर्वत, वृक्ष या भूमि। 2. विपरीत गुण की पहचान: स्थावर का विलोम वह शब्द होगा जिसमें गतिशीलता का गुण हो, जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सके। 3. विकल्प परीक्षण: – 'चंचल' का अर्थ अस्थिर होता है, जो स्वभाव से संबंधित है। – 'चेतन' का विलोम 'जड़' होता है। – 'जंगम' का अर्थ है – चलायमान या गतिशील (Mobile)। 4. व्याकरणिक नियम: हिंदी साहित्य और व्याकरण में 'स्थावर' और 'जंगम' को एक मानक विलोम युग्म माना जाता है।

अंतिम उत्तर: जंगम

Answer: (C)

Q23.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'योगरूढ़' शब्दों और पर्यायवाची के ज्ञान पर आधारित है। 'पंकज' शब्द दो भागों से बना है: 'पंक' (कीचड़) और 'ज' (उत्पन्न होने वाला)।
समाधान: 1. व्युत्पत्ति: कीचड़ में जन्म लेने वाले तो कई जीव होते हैं, लेकिन 'पंकज' शब्द केवल 'कमल' के लिए रूढ़ (प्रसिद्ध) हो गया है। 2. विकल्प विश्लेषण: – 'बादल' के लिए जलद, वारिद जैसे शब्दों का प्रयोग होता है। – 'समुद्र' के लिए जलधि, पयोधि का प्रयोग होता है। – 'कमल' के अन्य पर्यायवाची हैं – सरोज, राजीव, अरविंद, जलज। 3. निष्कर्ष: 'पंकज' का अर्थ कीचड़ से उत्पन्न 'कमल' का फूल ही है। 4. सही विकल्प: अतः विकल्प (C) सही उत्तर है।
अंतिम उत्तर: कमल

Answer: (C)

Q24.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न प्रकाश और अंधकार के विलोम युग्म पर आधारित है। 'तिमिर' एक तत्सम संज्ञा है जो दृष्टि के अभाव या अंधकार की स्थिति को सूचित करती है।
समाधान: 1. अर्थ बोध: 'तिमिर' का अर्थ है – गहरा अंधेरा (Darkness)। 2. विपरीतार्थी की खोज: अंधकार का विलोम 'प्रकाश' होता है। 3. तत्सम मिलान: चूँकि 'तिमिर' एक तत्सम शब्द है, इसका विलोम भी तत्सम ही होना चाहिए। 'प्रकाश' के लिए तत्सम शब्द 'आलोक' का प्रयोग किया जाता है। 4. अन्य विकल्प: 'रात्रि' का विलोम 'दिवस' होता है। 'छाया' का विलोम 'धूप' होता है। अंधकार और तिमिर पर्यायवाची हैं। 5. निष्कर्ष: अतः 'आलोक' (Light) ही तिमिर का सबसे शुद्ध विलोम है।
अंतिम उत्तर: आलोक

Answer: (A)

Q25.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न पर्यायवाची शब्दों के विशाल भंडार से संबंधित है। 'आकाश' (Sky) के लिए हिंदी में कई तत्सम और तद्भव शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

समाधान: 1. शब्द परीक्षण: – 'सरोज' का अर्थ है कमल (सरोवर में जन्म लेने वाला)। – 'चक्षु' का अर्थ है आँख। – 'अनल' का अर्थ है अग्नि। – 'व्योम' का अर्थ है आकाश। 2. विस्तृत पर्याय: आकाश के अन्य प्रसिद्ध पर्यायवाची शब्द हैं – गगन, नभ, अंबर, अंतरिक्ष, शून्य। 3. चयन: विकल्प (A) 'व्योम' ही वह शब्द है जो आकाश का अर्थ पूर्णतः प्रकट करता है।

अंतिम उत्तर: व्योम

Answer: (A)

Q26.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न बोलने की क्षमता के आधार पर विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों पर आधारित है। 'मूक' उस व्यक्ति को कहा जाता है जो बोलने में असमर्थ हो या जो बिल्कुल न बोलता हो (Dumb/Silent)।

समाधान: 1. अर्थ बोध: 'मूक' का अर्थ है – मौन रहने वाला या गूँगा। 2. विपरीत गुण: मूक का विलोम वह होगा जो बहुत अधिक बोलता हो। 3. विकल्प विश्लेषण: – 'अल्पभाषी' का अर्थ है कम बोलने वाला (यह मूक का विलोम नहीं हो सकता)। – 'मृदुभाषी' का अर्थ है मीठा बोलने वाला। – 'वाचाल' का अर्थ है जो बहुत अधिक बोलता हो (Talkative)। 4. निष्कर्ष: व्याकरणिक दृष्टि से 'मूक' का सटीक विलोम 'वाचाल' है।

अंतिम उत्तर: वाचाल

Answer: (B)

Q27.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न पर्यायवाची शब्दों की पहचान और 'नकारात्मक चयन' पर आधारित है। 'आभूषण' का अर्थ है वे वस्तुएं जो सुंदरता बढ़ाने के लिए शरीर पर धारण की जाती हैं (Jewelry/Ornaments)।

समाधान: 1. शब्द परीक्षण: – 'अलंकार', 'भूषण' और 'विभूषण' – ये तीनों शब्द 'आभूषण' के ही समानार्थी हैं। – 'अंबर' का अर्थ होता है 'आकाश' या 'वस्त्र'। 2. तर्क: अंबर का आभूषण से कोई सीधा पर्यायवाची संबंध नहीं है। 3. चयन: चूँकि प्रश्न में पूछा गया है कि कौन सा पर्यायवाची 'नहीं' है, इसलिए 'अंबर' सही उत्तर होगा।

अंतिम उत्तर: अंबर

Answer: (D)

Q28.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न ईश्वर और धर्म के प्रति आस्था रखने वाले शब्दों के विलोम युग्म पर आधारित है। 'आस्तिक' वह है जो ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखता है (Theist)।

समाधान: 1. अर्थ बोध: 'आस्तिक' का अर्थ है – ईश्वर को मानने वाला। 2. विपरीतार्थी की खोज: इसका विलोम वह होगा जो ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार न करता हो। 3. विकल्प परीक्षण: – 'सात्विक' गुणों से संबंधित है। – 'धार्मिक' धर्म का पालन करने वाले को कहते हैं। – 'नास्तिक' वह है जो ईश्वर को नहीं मानता (Atheist)। 4. निष्कर्ष: 'आस्तिक' और 'नास्तिक' हिंदी व्याकरण के प्रसिद्ध परस्पर विरोधी शब्द हैं।

अंतिम उत्तर: नास्तिक

Answer: (B)

Q29.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों' (Homonyms) पर आधारित है। ये वे शब्द हैं जो सुनने में लगभग समान लगते हैं परंतु वर्तनी में मात्रा के सूक्ष्म अंतर के कारण उनके अर्थ पूरी तरह भिन्न होते हैं।

समाधान: 1. 'तरणि' (छोटी 'इ' की मात्रा): इस शब्द का अर्थ 'सूर्य' (Sun) होता है। 2. 'तरणी' (बड़ी 'ई' की मात्रा): इस शब्द का अर्थ 'नाव' (Boat) होता है। 3. विभेदीकरण: मात्रा का छोटा अंतर अर्थ को प्रकाश के स्रोत (सूर्य) से जलयान (नाव) में बदल देता है। 4. मिलान: अतः 'तरणि–तरणी' का सही अर्थ युग्म 'सूर्य–नाव' होगा।

अंतिम उत्तर: सूर्य–नाव

Answer: (A)

Q30.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न तत्सम पर्यायवाची शब्दों के ज्ञान पर आधारित है। 'अनल' एक महत्वपूर्ण तत्सम शब्द है जो प्रकृति के एक मूल तत्व को दर्शाता है।

समाधान: 1. शब्द अर्थ: 'अनल' का अर्थ 'अग्नि' या 'आग' (Fire) होता है। 2. सूक्ष्म अंतर: अक्सर छात्र 'अनल' और 'अनिल' में भ्रमित हो जाते हैं। 'अनिल' का अर्थ वायु होता है, जबकि 'अनल' का अर्थ अग्नि है। 3. पर्याय: अग्नि के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – पावक, दहन, हुताशन, वैश्वानर। 4. चयन: विकल्प (B) 'अग्नि' ही अनल का सटीक अर्थ है।

अंतिम उत्तर: अग्नि

Answer: (B)

Q31.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'पदक्रम' (Sentence Rearrangement) पर आधारित है। एक सार्थक हिंदी वाक्य की सामान्य संरचना 'कर्ता + कर्म + क्रिया' होती है। विशेषण और अन्य पूरक शब्द अपनी संबंधित संज्ञाओं से पहले आते हैं।

समाधान: 1. खंडों का विश्लेषण: P (के लिए), Q (स्वास्थ्य), R (व्यायाम), S (आवश्यक है)। 2. तर्क: यहाँ 'व्यायाम' मुख्य कर्ता है और 'स्वास्थ्य के लिए' उसका उद्देश्य है। 3. क्रम संयोजन: 'व्यायाम' (R) + 'स्वास्थ्य' (Q) + 'के लिए' (P) + 'आवश्यक है' (S)। 4. परिणामी वाक्य: "व्यायाम स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।" यह वाक्य व्याकरणिक और अर्थगत रूप से पूर्णतः शुद्ध है। 5. कोड मिलान: यह क्रम RQPS को दर्शाता है।

अंतिम उत्तर: RQPS

Answer: (A)

Q32.

Solution

संकल्पना: वाक्य पुनर्गठन में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मुख्य संज्ञा (कर्ता) वाक्य के आरंभ में आए और सहायक क्रिया वाक्य के अंत में।

समाधान: 1. खंडों का विश्लेषण: P (हमारा देश), Q (है), R (महान), S (भारत)। 2. संयोजन विधि: यहाँ 'भारत' (S) मुख्य संज्ञा है। 'हमारा देश' (P) उसकी विशेषता/परिचय है। 'महान' (R) विशेषण है और 'है' (Q) क्रिया। 3. वाक्य निर्माण: "भारत हमारा देश महान है" अशुद्ध होगा। सही क्रम होगा: "भारत (S) + हमारा देश (P) + महान (R) + है (Q)" अर्थात "भारत हमारा देश महान है" या "भारत महान है हमारा देश" के बजाय "भारत हमारा देश महान है" संरचनात्मक रूप से संतुलित है। 4. विकल्पों का परीक्षण: यदि हम 'भारत' से शुरू करें, तो SQRP क्रम बनेगा "भारत महान है हमारा देश" जो सटीक नहीं है। SPQR "भारत हमारा देश है महान" भी सटीक नहीं है। सही संरचना "भारत हमारा देश महान है" हेतु क्रम SPQR का भाव देता है यदि हम 'हमारा देश भारत महान है' सोचें। गद्यांश के अनुसार 'भारत हमारा देश महान है' के लिए SPQR निकटतम है।

अंतिम उत्तर: SPQR

Answer: (A)

Q33.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न एक प्रसिद्ध सूक्ति पर आधारित है। हिंदी में 'परिश्रम' और 'सफलता' के संबंध को दर्शाने के लिए एक निश्चित पदक्रम का पालन किया जाता है।
समाधान: 1. खंडों का विश्लेषण: P (परिश्रम ही), Q (कुंजी है), R (सफलता की), S (जीवन में)। 2. तर्क: वाक्य का केंद्र 'सफलता की कुंजी' है। 'जीवन में' वाक्य का संदर्भ या स्थानवाचक आधार है। 3. संयोजन: "जीवन में (S) + परिश्रम ही (P) + सफलता की (R) + कुंजी है (Q)।" 4. पूर्ण वाक्य: "जीवन में परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।" यह एक प्रभावशाली और व्याकरणिक रूप से सही वाक्य है। 5. कोड मिलान: यह क्रम SPQR को इंगित करता है।
अंतिम उत्तर: SPQR

Answer: (B)

Q34.

Solution

संकल्पना: मुहावरों या लोकोक्तियों पर आधारित पदक्रम वाले प्रश्नों में शब्दों का क्रम वही रहना चाहिए जो पारंपरिक रूप से भाषा में प्रचलित है।
समाधान: 1. खंडों का विश्लेषण: P (होता है), Q (का फल), R (मीठा), S (धैर्य)। 2. तर्क: यह प्रसिद्ध कहावत "धैर्य का फल मीठा होता है" पर आधारित है। 3. क्रम संयोजन: 'धैर्य' (S) + 'का फल' (Q) + 'मीठा' (R) + 'होता है' (P)। 4. परिणामी वाक्य: "धैर्य का फल मीठा होता है।" 5. कोड मिलान: विकल्प (A) SQRP इस क्रम को पूर्णतः संतुष्ट करता है।
अंतिम उत्तर: SQRP

Answer: (A)

Q35.

Solution

संकल्पना: वाक्य को तार्किक बनाने के लिए 'आधार' (Base) और 'शक्ति' (Power) के संबंधों को सही क्रम में जोड़ना आवश्यक है।

समाधान: 1. खंडों का विश्लेषण: P (राष्ट्र का), Q (युवा शक्ति), R (आधार है), S (किसी भी)। 2. तर्क: 'किसी भी' विशेषण 'राष्ट्र' के लिए आएगा। 'युवा शक्ति' मुख्य कर्ता है। 3. संयोजन: "युवा शक्ति (Q) + किसी भी (S) + राष्ट्र का (P) + आधार है (R)।" 4. पूर्ण वाक्य: "युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र का आधार है।" यह वाक्य समाजशास्त्रीय रूप से सही और स्पष्ट है। 5. विकल्प परीक्षण: QSPR क्रम यहाँ सबसे सटीक और अर्थपूर्ण वाक्य का निर्माण कर रहा है।

अंतिम उत्तर: QSPR

Answer: (C)

Q36.

Solution

संकल्पना: वाक्य पुनर्गठन में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि क्रिया का प्रभाव कर्ता और कर्म के अनुसार सही दिशा में हो। हिंदी वाक्यों में उद्देश्य (Subject) प्रायः आरम्भ में और विधेय (Predicate) अंत में आता है।

समाधान: 1. खंडों का विश्लेषण: P (अनुशासन), Q (बनाता है), R (मनुष्य को), S (महान)। 2. तर्क: यहाँ 'अनुशासन' वह तत्व है जो कार्य कर रहा है, और 'मनुष्य' वह है जिस पर प्रभाव पड़ रहा है। 3. संयोजन: "अनुशासन (P) + मनुष्य को (R) + महान (S) + बनाता है (Q)।" 4. परिणामी वाक्य: "अनुशासन मनुष्य को महान बनाता है।" यह वाक्य जीवन के एक शाश्वत सत्य को व्याकरणिक शुद्धता के साथ प्रस्तुत करता है। 5. कोड मिलान: यह क्रम PRSQ को दर्शाता है, जो विकल्प (A) में उपलब्ध है।

अंतिम उत्तर: PRSQ

Answer: (A)

Q37.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न रिक्त स्थान की पूर्ति और ऐतिहासिक व्यक्तित्व के सिद्धांतों की पहचान पर आधारित है। किसी भी महापुरुष के जीवन दर्शन के आधार पर सही शब्द का चुनाव करना अनिवार्य है।

समाधान: 1. संदर्भ की पहचान: वाक्य महात्मा गांधी जी के बारे में है। 2. वैचारिक विश्लेषण: गांधी जी के दो मुख्य स्तंभ थे – सत्य और अहिंसा। 3. विकल्पों का परीक्षण: – 'हिंसा' उनके दर्शन के विपरीत है। – 'कुटिलता' और 'स्वार्थ' नकारात्मक प्रवृत्तियाँ हैं। – 'अहिंसा' (Non-violence) वह मूल मंत्र था जिसका उन्होंने वैश्विक स्तर पर प्रचार किया। 4. पूर्ण वाक्य: "गांधी जी ने अहिंसा का मार्ग अपनाया।" यह वाक्य ऐतिहासिक और व्याकरणिक रूप से पूर्ण है।

अंतिम उत्तर: अहिंसा

Answer: (A)

Q38.

Solution

संकल्पना: हिंदी भाषा में 'मृत्यु' के विभिन्न रूपों के लिए अलग–अलग शब्दों का प्रयोग किया जाता है। 'वध', 'हत्या', और 'निधन' के अर्थ में सूक्ष्म अंतर होता है जो पात्र के चरित्र और संदर्भ पर निर्भर करता है।

समाधान: 1. शब्द विभेद: – 'हत्या' (Murder) सामान्यतः अपराधी कृत्यों के लिए प्रयोग होता है। – 'निधन' (Demise) सम्मानित व्यक्तियों की प्राकृतिक मृत्यु के लिए प्रयुक्त होता है। – 'वध' (Slaying) अधर्म का विनाश करने हेतु किसी दुष्ट या राक्षस के अंत के लिए प्रयुक्त होता है। 2. धार्मिक संदर्भ: राम द्वारा रावण का अंत एक धर्म–युद्ध था। पौराणिक कथाओं में राक्षसों के अंत को सदैव 'वध' की संज्ञा दी गई है। 3. निष्कर्ष: 'राम ने रावण का वध किया' ही भाषाई दृष्टि से सबसे उपयुक्त वाक्य है।

अंतिम उत्तर: वध

Answer: (A)

Q39.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न भाववाचक संज्ञा के सही रूप के चयन पर आधारित है। वाक्य की संरचना के अनुसार 'विशेषण' और 'संज्ञा' के बीच सही चुनाव करना आवश्यक है।

समाधान: 1. व्याकरणिक विश्लेषण: वाक्य है "उसकी बातों में बहुत _____ है।" यहाँ रिक्त स्थान पर एक संज्ञा (Noun) आनी चाहिए जो बातों की विशेषता को 'भाव' के रूप में प्रकट करे। 2. शब्द रूप: – 'गंभीर' एक विशेषण (Adjective) है। – 'गंभीरता' एक भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) है। – 'गंभीरपन' लोकभाषा में प्रयुक्त होता है परंतु मानक हिंदी में 'गंभीरता' श्रेष्ठ है। 3. तर्क: 'बहुत' शब्द के बाद गुणवाचक भाव (संज्ञा) का प्रयोग अधिक सटीक होता है। "उसकी बातों में बहुत गंभीरता है" संरचनात्मक रूप से शुद्ध है।

अंतिम उत्तर: गंभीरता

Answer: (A)

Q40.

Solution

संकल्पना: वर्तनी शुद्धि हिंदी व्याकरण का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। 'उज्ज्वल' जैसे शब्द संधि नियमों (उत् + ज्वल) के आधार पर बनते हैं, जहाँ व्यंजनों का परिवर्तन होता है।

समाधान: 1. संधि विच्छेद: उत् + ज्वल। यहाँ व्यंजन संधि का नियम लागू होता है। 2. नियम: जब 'त' के बाद 'ज' आता है, तो 'त' भी आधे 'ज' में परिवर्तित हो जाता है। 3. वर्ण विन्यास: उ + ज (आधा) + ज (आधा) + व + ल। 4. सामान्य त्रुटि: अधिकांश लोग इसमें एक पूरा 'ज' और एक आधा 'ज' लिखते हैं (उज्जवल), जो अशुद्ध है। 5. शुद्ध रूप: 'उज्ज्वल' में दोनों 'ज' आधे होते हैं। अतः विकल्प (B) सही है।

अंतिम उत्तर: उज्ज्वल

Answer: (B)

Q41.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' (Substitution for a phrase) पर आधारित है। हिंदी व्याकरण में अपनी अभिव्यक्ति को संक्षिप्त और प्रभावशाली बनाने के लिए एक पूरे वाक्यांश के स्थान पर एक विशिष्ट शब्द का प्रयोग किया जाता है।

समाधान: 1. वाक्यांश का अर्थ: 'जो सब कुछ जानता हो' का तात्पर्य उस सत्ता या व्यक्ति से है जिसकी जानकारी की कोई सीमा न हो। 2. शब्द विश्लेषण: – 'अल्पज्ञ' (अल्प + ज्ञ): जो बहुत कम जानता हो। – 'अज्ञ': जिसे कुछ भी ज्ञान न हो। – 'बहुज्ञ': जो बहुत सी बातों को जानता हो। – 'सर्वज्ञ' (सर्व + ज्ञ): जो 'सब कुछ' (Everything) जानता हो। 3. तर्क: यहाँ 'सर्व' उपसर्ग 'सब' को दर्शाता है और 'ज्ञ' प्रत्यय 'जानने वाले' को। अतः 'सर्वज्ञ' (Omniscient) ही सही उत्तर है।

अंतिम उत्तर: सर्वज्ञ

Answer: (B)

Q42.

Solution

संकल्पना: वाक्य शुद्धि के अंतर्गत सर्वनाम का सही प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिंदी में उत्तम पुरुष (मैं) के साथ निजवाचक सर्वनाम 'अपना' का प्रयोग किया जाता है, न कि संबंधवाचक सर्वनाम 'मेरा' का (जब स्वयं के कार्य की बात हो)।

समाधान: 1. विकल्पों का विश्लेषण: – "मैं मेरा काम करता हूँ" – यहाँ 'मैं' के साथ 'मेरा' का प्रयोग दोषपूर्ण है। – "मैं अपना काम करता हूँ" – यहाँ 'अपना' निजत्व को सही ढंग से प्रकट कर रहा है। – "मैंने मेरा काम किया" – यह भी व्याकरणिक रूप से अशुद्ध है। 2. नियम: जब कर्ता स्वयं के लिए कोई कार्य करता है, तो 'अपना/अपनी/अपने' का प्रयोग करना ही मानक हिंदी का नियम है। 3. निष्कर्ष: विकल्प (B) "मैं अपना काम करता हूँ" व्याकरणिक रूप से पूर्णतः शुद्ध वाक्य है।

अंतिम उत्तर: मैं अपना काम करता हूँ।

Answer: (B)

Q43.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न संधि के प्रकारों की पहचान पर आधारित है। स्वर संधि के अंतर्गत आने वाली पाँच प्रमुख संधियों (दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि) के नियमों को शब्दों पर लागू करना आवश्यक है।

समाधान: 1. हिमालय (हिम + आलय): अ + आ = आ (समान स्वर मिलने पर दीर्घ होता है) → **दीर्घ संधि**। 2. सदैव (सदा + एव): आ + ए = ऐ (वृद्धि होती है) → **वृद्धि संधि**। 3. प्रत्युपकार (प्रति + उपकार): इ + उ = यु (इ का 'य' में परिवर्तन) → **यण संधि**। 4. देवेंद्र (देव + इंद्र): अ + इ = ए (गुण परिवर्तन) → **गुण संधि**। 5. मिलान क्रम: 1–(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

अंतिम उत्तर: 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

Answer: (A)

Q44.

Solution

संकल्पना: समास के अंतर्गत दो शब्दों के मेल से बने नवीन शब्द की संरचना को समझा जाता है। प्रत्येक समास (अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वंद्व, द्विगु, कर्मधारय, बहुव्रीहि) की अपनी विशिष्ट पहचान होती है।

समाधान: 1. यथाशक्ति: 'यथा' अव्यय है, जिसका अर्थ है 'शक्ति के अनुसार'। प्रथम पद प्रधान होने के कारण → **अव्ययीभाव**। 2. माता–पिता: दोनों पद प्रधान हैं और बीच में योजक चिह्न है → **द्वंद्व समास**। 3. लंबोदर (लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश): तीसरा पद प्रधान है → **बहुव्रीहि**। 4. चौराहा: प्रथम पद संख्यावाचक है → **द्विगु समास**। 5. मिलान क्रम: 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)

अंतिम उत्तर: 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)

Answer: (A)

Q45.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न हिंदी साहित्य के इतिहास और प्रसिद्ध कृतियों के रचनाकारों के ज्ञान पर आधारित है। प्रमुख साहित्यकारों की कालजयी रचनाओं की पहचान करना आवश्यक है।

समाधान: 1. प्रेमचंद: इन्हें कथा सम्राट कहा जाता है, इनकी कालजयी रचना **'गो–दान'** है। 2. जयशंकर प्रसाद: छायावाद के स्तंभ, इन्होंने महाकाव्य **'कामा–यनी'** की रचना की। 3. तुलसीदास: भक्ति काल के कवि, इन्होंने अवधी भाषा में **'रामचरितमानस'** लिखा। 4. मैथिलीशरण गुप्त: राष्ट्रकवि के रूप में विख्यात, इनकी प्रसिद्ध कृति **'साकेत'** है। 5. मिलान क्रम: 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

अंतिम उत्तर: 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

Answer: (A)

Q46.

Solution

संकल्पना: मुहावरा भाषा को रोचक और अर्थपूर्ण बनाने का एक सशक्त माध्यम है। 'अंधे की लाठी' एक अत्यंत प्रचलित मुहावरा है, जो किसी व्यक्ति की विवशता और उसकी एकमात्र सहायता के बीच के संबंध को दर्शाता है।

समाधान: 1. प्रतीकात्मक अर्थ: जिस प्रकार एक दृष्टिहीन व्यक्ति के लिए उसकी लाठी ही रास्ता ढूँढने और सहारा लेने का एकमात्र साधन होती है। 2. व्यावहारिक अर्थ: उसी प्रकार जब किसी व्यक्ति के पास संकट के समय केवल एक ही मददगार या सहारा शेष बचता है, तो उसे 'अंधे की लाठी' कहा जाता है। 3. उदाहरण: श्रवण कुमार अपने वृद्ध माता–पिता के लिए 'अंधे की लाठी' थे। 4. निष्कर्ष: अतः विकल्प (A) 'एकमात्र सहारा' इस मुहावरे का सबसे शुद्ध और सटीक अर्थ है।

अंतिम उत्तर: एकमात्र सहारा

Answer: (A)

Q47.

Solution

संकल्पना: यह मुहावरा विश्वासघात और विश्वास के बीच के द्वंद्व को प्रकट करता है। आस्तीन (Sleeve) शरीर के बहुत करीब होती है, और वहाँ छिपा हुआ साँप सबसे अधिक खतरनाक होता है क्योंकि उसकी उपस्थिति का आभास नहीं होता।

समाधान: 1. मुहावरे का भाव: यह ऐसे व्यक्ति की ओर संकेत करता है जो मित्र बनकर साथ रहता है लेकिन भीतर ही भीतर अहित करने की योजना बनाता है। 2. अर्थ विश्लेषण: – 'पालतू साँप' इसका शाब्दिक अर्थ है, जो गलत है। – 'धोखेबाज मित्र' (Treacherous friend) वह है जो विश्वासपात्र होने का ढोंग करता है। 3. प्रयोग: हमें अपनी मित्र मंडली में 'आस्तीन के साँपों' से सदैव सावधान रहना चाहिए। 4. निष्कर्ष: विकल्प (B) 'धोखेबाज मित्र' ही इसका सही अर्थ है।

अंतिम उत्तर: धोखेबाज मित्र

Answer: (B)

Q48.

Solution

संकल्पना: यह मुहावरा संक्षिप्तता और व्यापकता के संतुलन को दर्शाता है। यह विशेष रूप से कवियों और लेखकों की उस प्रतिभा के लिए प्रयोग किया जाता है जहाँ वे कम शब्दों में बहुत बड़ी और गहरी बात कह देते हैं।

समाधान: 1. शाब्दिक चित्रण: गागर (एक छोटा पात्र) में सागर (विशाल जलराशि) को समाहित करना असंभव है, लेकिन अलंकारिक रूप से यह ज्ञान की सघनता को दर्शाता है। 2. अर्थ बोध: किसी विस्तृत विषय या विचार को बहुत थोड़े शब्दों में प्रभावी ढंग से व्यक्त करना। 3. साहित्यिक संदर्भ: बिहारी के दोहों के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने 'गागर में सागर' भर दिया है। 4. निष्कर्ष: अतः विकल्प (A) 'कम शब्दों में बहुत कहना' बिल्कुल सही है।

अंतिम उत्तर: कम शब्दों में बहुत कहना

Answer: (A)

Q49.

Solution

संकल्पना: यह मुहावरा किसी कार्य की अत्यधिक जटिलता और उस कार्य को करने में लगने वाले भारी परिश्रम को सूचित करता है। लोहे के चने चबाना शारीरिक रूप से असंभव है, जो एक कठिन परिस्थिति का प्रतीक है।

समाधान: 1. प्रतीकात्मकता: चने चबाना आसान है, लेकिन यदि वे लोहे के हों तो यह शक्ति और सहनशीलता की पराकाष्ठा माँगता है। 2. अर्थ विश्लेषण: इसका तात्पर्य किसी ऐसी बाधा या कार्य से है जिसे पूरा करने के लिए बहुत अधिक मानसिक और शारीरिक शक्ति की आवश्यकता हो। 3. उदाहरण: भारतीय सेना के सामने टिकने के लिए दुश्मनों को 'लोहे के चने चबाने' पड़े। 4. निष्कर्ष: विकल्प (B) 'कठिन संघर्ष करना' इस मुहावरे का सार्थक अर्थ है।

अंतिम उत्तर: कठिन संघर्ष करना

Answer: (B)

Q50.

Solution

संकल्पना: यह एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है जो मानवीय स्वभाव और अहंकार पर प्रहार करती है। यह अधूरे ज्ञान और अत्यधिक प्रदर्शन (Show-off) के बीच के संबंध को स्पष्ट करती है।

समाधान: 1. भौतिक उदाहरण: जब पानी का घड़ा (गगरी) आधा भरा होता है, तो चलते समय उसका पानी अधिक उछलता और आवाज करता है, जबकि पूरा भरा घड़ा शांत रहता है। 2. व्यवहारिक अर्थ: जिस व्यक्ति के पास ज्ञान या धन कम होता है, वह समाज में स्वयं को बड़ा दिखाने के लिए बहुत अधिक दिखावा और आडंबर करता है। 3. गहरा अर्थ: विद्वान व्यक्ति सदैव गंभीर और शांत रहता है, जबकि अल्पज्ञानी व्यक्ति अपनी अल्पता को छिपाने हेतु वाचालता का सहारा लेता है। 4. विकल्प चयन: विकल्प (B) 'ओछा व्यक्ति दिखावा अधिक करता है' इस लोकोक्ति का सटीक अर्थ है।

अंतिम उत्तर: ओछा व्यक्ति दिखावा अधिक करता है

Answer: (B)

Answer Key

Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans
1	B	2	C	3	B	4	B	5	B
6	A	7	B	8	B	9	C	10	C
11	B	12	A	13	B	14	B	15	B
16	B	17	B	18	B	19	D	20	B
21	A	22	C	23	C	24	A	25	A
26	B	27	D	28	B	29	A	30	B
31	A	37	A	38	A	39	A	40	B
41	B	42	B	43	A	44	A	45	A
46	A	47	B	48	A	49	B	50	B